षष्ठः पाठः

प्रभात-सौन्दर्यम्

उदयति मिहिरो विदलति तिमिरो,

भुवनं कथमभिरामम्।।

प्रचरति चतुरो मधुकर-निकरो,

गु×जति कथमविरामम् ।।1।।

विकसति कमलं विलसति सलिलं,

पवनो वहति सलीलम्

दिशि-दिशि धावति कूजति नृत्यति,

खगकुलमतिशयलोलम् ।।2।।

शिरसि तरूणां रविकिरणानां,

खेलति रुचिररुणाभा,

उपरि दलानां हिम-कणिकानां,

काऽपि हृदय-हर-शोभा ।।3।।

प्रसरति गगने हरि-हर-भवने,

दुन्दुभि-दमदम- नादः।

भज परमेशं पठ सनिवेशं

भवतादनुपममोदः।।4।।

शब्दार्थ

मिहिरः=सूर्य । विदलति=छँटता है। तिमिरः=अन्धकार। अभिरामम्=मनोहर। निकरः=समूह। कथम्=कैसा। अविरामम्=निरन्तर। सलीलम्=लीला (खेल) झोंका के साथ। अतिशय-लोलम्= अत्यन्त चंचल। तरूणाम्=वृक्षों के। रुचिः=कान्तिः। शिरसि=शिखरों पर। अरुणाभा=लाल कान्ति वाली। दलानाम्=पत्तों के। हृदय-हर-शोभा=हृदय को हरने वाली सुन्दरता । सनिवेशम्=ध्यानपूर्वक।

अभ्यास

1. उच्चारण करें-

विदलति, कथमभिरामम्, प्रचरति, रुचिररुणाभा,

कथमविरामम्, सलीलम्, दिशि-दिशि, दुन्दुभिः,

खगकुलमतिशयलोलम्, शिरसि , तरूणाम्, भवतादनुपममोदः।

2. एक पद में उत्तर दें-

(क) कः विदलति ?

(ख) मधुकरनिकरः किं करोति ?

(ग) किं विकसति ?

(घ) खगकुलं किं करोति ?

(ङ) कस्य रुचिररुणाभा तरूणां शिरसि खेलति ?

3. पाठ में आए उचित पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें -

(क) .....उदयति।

(ख) चतुरः .....प्रचरति।

(ग) खगकुलं .....धावति।

(घ) अनुपममोदः .....।

4. हिन्दी में अनुवाद करें -

(क) भुवनं कथम् अभिरामम्।

(ख) मधुकरः कथम् अविरामं गु×जति।

(ग) अतिशयलोलं खगकुलं कूजति।

(घ) दुन्दुभि-दमदम-नादः प्रसरति।

5. संस्कृत में अनुवाद करें -

(क) परमेश्वर का भजन करो।

(ख) रात में चाँद निकलता है।

(ग) कमल जल में खिलता है।

(घ) चिड़ियाँ पेड़ों पर कूजती हंै।

(ङ) पत्तों पर ओस की बूँदें अच्छी लगती हैं।

(च) मन लगाकर पढ़ो।

6. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण करें-

(क) जले कमलं विकसति।

(ख) पुष्पेषु मधुकराः गु×जन्ति।

(ग) वृक्षेषु खगाः कूजन्ति।

(घ) क्रीडाक्षेत्रे बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

7. निम्नलिखित पंक्तियों को सही क्रम में करके अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखें-

उपरि दलानां हिम-कणिकानां .....

शिरसि तरूणां रविकिरणानां। .....

काऽपि हृदय-हर-शोभा .....

खेलति रुचिररुणाभा।। .....

शिक्षण संकेत-

1. प्रभात के सौन्दर्य का वर्णन अपने शब्दों में करने का अवसर छोटे-छोटे समूह में दें।

2. समूह में इन पद्यांे का गान कराएँ।

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।